पापा खो गए (एकांकी)

लेखक : विजय तेंदुलकर

कक्षा : सातवी

विषय : हिंदी

प्रश्तुतकर्ता :

शिवदत्त शर्मा

टी . जी. टी (एस एस)

हिंदी|संस्कृत

पऊकेवि – २ तारापुर

एकांकी के पात्र हैं

बिजली का खम्भा	कौआ
पेड़	नाचनेबाली लड़की
लैटरबक्स	आदमी

पापा खो गए

मोड्यूल – १

सारांश

' पापा खो गए ' एकांकी श्री विजय तेंदुलकर जी द्वारा लिखा गया है जिसमें निर्जीव वस्तुओं की पीड़ा का सजीव चित्रण किया गया है और पाठ के द्वारा बच्चों के अपहरण के बढ़ते मामलो को दिखाया गया है । रात के समय सड़क पर एक बिजली का खम्भा , एक पेड़, एक लैटरबक्स और दीवार पर नाचने की मुद्रा में खडी लड़की का पोस्टर लगा है । दिन में वे जो भी देखते थे रात में उसके विषय में बातें करते थे ।खम्भा एक स्थान पर खड़े रहने के कारण परेशान है । पेड़ कहता है कि वह तो उसके पहले का खड़ा है , उसका तो जन्म ही इस स्थान पर हुआ था । उस समय यहाँ कुछ नहीं था वह और उसके सामने फैला विशाल समुंदर था । सड़क बनने पर जब खम्भे को उसके पास लगाया गया तो पेड़ को लगा कि उसका अकेलापन दूर करने के लिये एक साथी मिल गया । खम्भे पर जब बरसात के दिनों में मुसीबत आई तो उस समय पेड़ ने उसे सहारा देकर संभाला था । उस दिन से दोनों में दोस्ती हो गयी । दीवार पर लगे पोस्टर के टेड़े होने पर बनी नाचने वाली लड़की के घुंगरू बज उठते हैं ।

१. उसी समय लैटरबक्स एक भजन गुनगुनता हुआ आता है । कौआ भी भजन सुनकर पेड़ के पीछे से बाहर आता है । लैटरबक्स अपने पेट में से चिट्टियाँ निकालकर पढ़ने लगता है । पेड़ और खम्भा लैटरबक्स को चिट्टियाँ पढ़ने से रोकते हैं ।
२. उसी समय वहाँ किसी के आने की आहट होती है । सब चुप हो जाते है । एक आदमी अपने कंधे पर लड़की को उठाए चला आ रहा है । आदमी ने उस लड़की को बेहोश कर दिया था इसलिए वह गहरी नींद में सो रही थी । आदमी लड़की को वही छोड़कर अपने लिये खाने का प्रबंध करने चला जाता हैं ।
३. आदमी के बाद खम्भा , पेड़ , लैटरबक्स और कौआ लड़की और आदमी के बारे में बात करने लगते हैं । वे छोटी लड़की को इस आदमी से बचने का उपाय सोचने लगते हैं । उन सबकी बात करने की आवाजों के कारण लड़की जाग जाती है । वह सबको बातें करते देखकर हैरान रह जाती है । लड़की को उठा देकर सब चुप हो जाते हैं । लड़की अपने माँ- बाप और घर को याद करके रोने लग जाती है । लैटरबक्स से अब चुप नहीं रहा जाता । लैटरबक्स लड़की से बात शुरु करता है । वह उसके मन का डर दूर करने का प्रयास करता है । वह लड़की से उसके घर का पता पूँछता है परन्तु उसे अपने घर का पता मालूम नहीं था ।

    लैटरबॉक्स लड़की को बताता है कि वह लोग भी इंसानों की तरह बात करते है । लड़की उन लोगों के साथ घुल मिल जाती है । वह सब आपस में खेलने लगते हैं । उसी समय बच्चे उठाने वाला आदमी वह आ जाता है । लड़की पेड़ के पीछे छिप जाती है । आदमी लड़की को ढूँढ़ता है परन्तु उसे लड़की कहीं नहीं मिलती । सभी वस्तुएं मिलकर लड़की को बचाकर खुश होते हैं ।

अब सबके सामने यह एक समस्या थी की लड़की को घर कैसे पहुँचाया जाए ? कौआ उन्हें लड़की के घर का पता लगाने का एक उपाय बताता है | वह कहता है – पेड़ और खम्भा लड़की के ऊपर इस प्रकार टेढ़े हो जाएँ , जिससे लगे कि यहाँ कोई दुर्घटना घटी है । खम्भा कहता है , कि यदि फिर भी वंहाँ कोई नहीं आता, तब किया होगा । कौआ लैटरबक्स को एक सन्देश लिखने को कहता है |
कुछ देर बाद सुबह हो जाती है खम्भा टेढ़ा खड़ा है, पेड़ सोई हुई लड़की के ऊपर झुका हुआ था । कौआ काँव काव कर रह था । पोस्टर पर बड़े बड़े अक्षरों में " पापा खो गए हैं" लिखा हुआ था नाचने वाली लड़की उस बच्ची की मुद्रा बना लेती है, जिसके पापा खो गए थे | अंत मे लैटरबक्स सबका ध्यान अपनी और खींचता है| वह सबसे कहता है की जिसे भी इस लड़की के पापा मिले, उन्हें यहाँ पर ले आए|

कठिन सब्दो के अर्थ ---

भंगिमा - मुद्रा , आफत- मुसीबत , झेलना – सहन करना
गरूर - घमण्ड , फोकट – मुफ्त में , कर्कश – कानों को खराब लगने वाली आवाज
गस्त लगाना – चारों ओर घूमना , चकमा देना – धोखा देना ,

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न अभ्यास -

पठित पाठ के आधर पर प्रश्नों के उतर दीजिये ---

का. नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन लगा और क्यों ?
खा. पेड़ और खम्भे की दोस्ती कैसे हुई ?
घ. लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे ?
ड . नाटक में बच्ची को बचाने वाले पात्रों में केवल एक सजीव पात्र है | उसकी कौन कौन सी बातें आपको मजेदार लगीं ?
च. क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?